मेले की बहार | By Aparna Mishra

मन्दिर माहि बड़ग्यो सांवरो देख रंग की थाल
भीतर से मारे पिचकारी केसर रंग अपार

बाबा श्याम के दरबार फागण मेले की बहरा
बाबा श्याम के.....
जो भी आये मेले माहि रिमझिम पड़े फुहार
बाबा श्याम के.....

भांत भांत का इत्र चढ़त है महक रयो दरबार तेरो
माखन मिश्री भोग लगत है मेवा भर भर थाल
बाबा श्याम के.....

फागण आयो रंग रंगीलो
फागण आयो रंग रंगीलो

सूरत प्यारी कृष्ण मुरारी मीठी सी मुस्कान तेरी
ऐसी प्यारी चितवन जा पे उज्जवल है बलिहार
बाबा श्याम के.....
बाबा श्याम के दरबार फागण मेले की बहरा
बाबा श्याम के.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-aparna-mishra/